



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 54]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 24, 2000/चैत्र 4, 1922

No. 54]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 24, 2000/CHAITRA 4, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2000

अंतिम जांच परिणाम

विषय: तुर्की, हंगरी और यूरोपीय संघ से एक्रीलिक फाइबर के आयात से संबंधित
पाटनरोधी जांच

सं. 34/1/98-डीजीएडी—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. प्रारम्भिक जांच के पश्चात् नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने तुर्की, हंगरी और ई यू से एक्रीलिक फाइबर के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच के संबंध में दिनांक 13.10.99 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था ;

(ख) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उक्त निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ;

(ग) प्राधिकारी ने दिनांक 22.11.99 को सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था । मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था । पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की

प्रतियां लेने और उनका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । याचिकाकर्ता उक्त मौखिक सुनवाई में उपस्थित थे । तुर्की के निर्यातक ने उक्त मौखिक सुनवाई हेतु लिखित अनुरोध प्रस्तुत किए, जिसमें वे उपस्थित नहीं हो सके थे ।

(घ) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों और दिए गए तर्कों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध करवाई थी ;

(ङ.) याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है ;

(च) अधिकारियों के एक दल ने तुर्की के सहयोगी निर्यात अर्थात् मै0 एके-पीए टेकसटिल इहराकाट पजारलामा ए0 एस, मिराले सेफिक बे सॉक, एके-इलान सं0 15-17, कैट 1-280090 गुमुस्सज्या, तकसिम/इस्तानबुल के परिसरों का दौरा किया ताकि उनके द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना का सत्यापन किया जा सके एवं आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सूचना प्राप्त की जा सके ।

(छ) उपरोक्त नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है ;

(ज) इस अधिसूचना में **** से हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है ।

ख. जांच शुरू करने के संबंध में

2. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने तुर्की, हंगरी तथा यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर के

पाटित आयातों के विरुद्ध दिनांक 26 मार्च, 1999 की सार्वजनिक सूचना द्वारा इस जांच की शुरुआत की ।

जैसा कि प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा 1 (XIV) में उल्लेख किया गया है, नीचे दिए गए कारणों से यूरोपीय संघ को इस जांच के क्षेत्र विस्तार से बाहर समझा जाता है ।

जांच के दौरान यह नोट किया गया था कि हंगरी ने इन अनंतिम निष्कर्षों को अंतिम रूप दिए जाने के समय अप्रैल से दिसम्बर, 98 के दौरान भारत को एक्रीलिक फाइबर की वास्तविक खपें भेजी थीं । अतः डीजीसीआईएस के आंकड़ों में इन आयातों का मूल्य तथा मात्रा दोनों दर्शाए गए हैं जो क्रमशः 3,29,16,900 तथा 8990 कि०ग्रा० हैं । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान इन आयातों का हिस्सा एक्रीलिक फाइबर के आयातों की कुल मात्रा का केवल 0.03 % बनता है तथा इस प्रकार ये न्यूनतम हैं । अतः हंगरी से हुए आयातों को इस जांच के क्षेत्र विस्तार से बाहर रखा गया है ।

ग. कीमत संबंधी वचन पत्र के संबंध में

3. प्रश्नावली का उत्तर देकर तुर्की के निर्यातक ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत पाटनरोधी नियमों के नियम 15 के अंतर्गत कीमत संबंधी वचन पत्र देने की इच्छा भी व्यक्त की थी । उक्त नियम के अंतर्गत, किसी निर्यातक से कीमत वृद्धि के संबंध में किसी वचन पत्र को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटन एवं क्षति का प्रारम्भिक निर्धारण नहीं कर लिया हो । इसलिए निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण किया गया था और प्राधिकारी द्वारा 13.10.99 को प्रारम्भिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया गया था ।

घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्क :-

4. कीमत संबंधी वचन पत्र में यह अनुरोध किया गया है कि इसे केवल तब स्वीकार किया जा सकता है जब निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना के आधार पर पाटन मार्जिन के निर्धारण की कार्यवाई शुरू की हो । चूंकि वर्तमान मामले में निर्यातक द्वारा दायर की गई सूचना सामान्य मूल्य के निर्धारण में पूरी तरह से अपर्याप्त है इसलिए कीमत संबंधी वचन पत्र को स्वीकार करने का प्रश्न ही नहीं उठता । हर स्थिति में, निर्दिष्ट प्राधिकारी से निर्यातक द्वारा प्रस्तावित कीमत संबंधी वचन पत्र और उन कीमतों की एक प्रति घरेलू उद्योग को उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया गया है, जिनको निर्यातक द्वारा कीमत संबंधी वचन पत्र में पेशकश करने का वचन दिया गया है । यह अनुरोध किया गया है कि ऐसे किसी वचन पत्र को तब तक स्वीकार नहीं किया जा सकता है जब तक कि वह वाणिज्यिक निबंधनों एवम् शर्तों के संबंध में याचिकाकर्ता को स्वीकार्य नहीं हों ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

5. प्रकटन विवरण में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया गया है कि इस जांच से संबद्ध निर्यातक ने संभव सीमा तक, प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है। आरंभ में प्रश्नावली के उत्तर में छूटी सूचना प्राधिकारी द्वारा उनके परिसर की जांच के दौरान उनके द्वारा उपलब्ध करवाई गई थी जिसका विवरण प्रकटन विवरण पत्र के अनुबंध-2 में दर्शाया गया है। अतः यह कहना कि सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निर्यातक द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना "पूरी तरह से अपर्याप्त" है, वस्तुतः गलत है।

निर्यातक ने कीमत संबंधी वचन-पत्र की कोई प्रति प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं करवाई है। उन्होंने केवल ऐसा करने की इच्छा जाहिर की थी। सामान्यतः यह समझा जाता है और इसलिए ऐसा कहने की आवश्यकता नहीं है कि किसी वचन-पत्र को तब तक स्वीकार नहीं किया जा सकता है जब तक उसमें दी गई कीमत घरेलू उद्योग की वाणिज्यिक रूप से स्वीकार्य नहीं होती।

प्राधिकारी ने कीमत संबंधी वचन-पत्र स्वीकार करने के निर्यातक के अनुरोध पर सावधानीपूर्वक विचार किया है। तथापि, यह महसूस किया गया है कि इस स्तर पर किसी वचन-पत्र को स्वीकार करना व्यावहारिक अथवा उचित नहीं होगा।

घ. विचाराधीन उत्पाद

6. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सिकुड़ने वाले तथा न सिकुड़ने वाले दोनों रूपों में एक्रिलिक फाइबर है। एक्रिलिक फाइबर एक ऐसा सिंथेटिक बहुलक है जिसमें एक्रिलोनाइड्राइल, जो (एसीएन) की पेट्रोलियम सह-उत्पाद से बना एक रंगहीन तरल पदार्थ है, का भार कम से कम 85 प्रतिशत होता है। शेष संघटक कोमोनोमर्स होते हैं जिनकी रंजकता, आर्द्रता अवशोषण को बढ़ाने में आवश्यकता पड़ती है। एक्रिलिक फाइबर शब्द से स्टेपल, टो तथा टाप शामिल हैं। एक्रिलिक फाइबरस की रेंज 1.5 डेनियर से 8.0 डेनियर तक की बताई गई है।

एक्रिलिक फाइबर का वर्गीकरण सीमाशुल्क अधिनियम 1975 के अध्याय 55 के, टैरिफ वर्गीकरण एच.एस कोड सं0 5501, 5503 के अंतर्गत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह मौजूदा जांच के क्षेत्र विस्तार पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्क

7. 1.2 डेनियर के एक्रिलिक फाइबर को शुल्कों के दायरे में शामिल करने का अनुरोध किया गया है क्योंकि 1.2 डेनियर तथा 1.5 डेनियर के एक्रिलिक फाइबर में मुश्किल से ही कोई अंतर है। दोनों लगभग एक समान उत्पाद हैं और आसानी से अदल-बदल कर इस्तेमाल किए जा सकते हैं। 1.2 डेनियर पर भी शुल्क लगाया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. घरेलू उद्योग ने शुल्क के दायरे में 1.2 डेनियर के एक्रिलिक फाइबर को शामिल करने का अनुरोध उनके द्वारा याचिका दायर करते समय नहीं किया था और एनए प्राधिकारी जांच के इस उपान्तिम स्तर पर उक्त अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ हैं। स्तर पर उक्त अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ हैं।

ड. समान वस्तुएं

9. जैसाकि प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा 6 में उल्लेख किया गया है एक्रिलिक फाइबर का ऐसी विभिन्न विनिर्देशों/श्रेणियों में उत्पादन तथा उसकी बिक्री की जाती है, जिससे फाइबर के गुण-धर्मों का पता चलता है और जिसके कारण उसके विभिन्न अंतिम उपयोग हो संकते हैं। तथापि, एक्रिलिक फाइबर की विभिन्न किस्मों के उत्पादन हेतु प्रक्रिया, उपकरण अथवा प्रौद्योगिकी के संबंध में कोई खास अंतर नहीं है। फाइबर की प्रत्येक रेंज (डेनियर) मोटे तौर पर अलग-अलग बाजार क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं और इसका आपस में अदल-बदल कर इस्तेमाल किया जा सकता है।

याचिकाकर्ताओं के पास अपने संयंत्रों में फाइबर की सभी किस्मों के उत्पादन की क्षमता है और उनके पास वे दोनों ही प्रौद्योगिकियां हैं जिनका विश्वभर में उपयोग किया जाता है। घरेलू उद्योग डूपांट (यूएसए), एक्सलान (जापान) तथा स्नीआ (इटली) जैसे विश्व में अग्रणीय कंपनियों के सहयोग से एक्रिलिक फाइबर का उत्पादन कर रहा है। यह प्रमाणित करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर संबद्ध देशों से निर्यातित फाइबर के समान वस्तु है, तकनीकी विनिर्देशनों, विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र तथा उपकरण, प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, विपणन तथा उपभोक्ता अधिमान एवं टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है।

एक्रिलिक फाइबर (सटेपल, टो तथा टाप) का 1.5, 2.0, 3.0 से लेकर 8.0 तक के भिन्न-भिन्न डेनियरों में उत्पादन तथा बिक्री की जाती है और इसमें सिकुड़ने वाले तथा न सिकुड़ने वाले दोनों स्वरूप शामिल होते हैं। एक्रिलिक फाइबर का उत्पादन या तो वेट स्पन या फिर ड्राई स्पन प्रौद्योगिकी के जरिए किया जाता है और विनिर्माण प्रक्रिया समूचे विश्व में मोटे तौर पर एक समान है। एक्रिलोनाईट्राइल मूलभूत कच्ची सामग्री है, जिसका इस्तेमाल एक्रिलिक फाइबर के उत्पादन में किया जाता है।

एक्रिलिक फाइबर मुलायम तथा फुलावदार, कम भार वाला और गर्म होता है और यह ऊन, जो कि अपेक्षाकृत अधिक मंहगा है, का एक सस्ता विकल्प है। इसका परिधान

बनाने में उपयोग किया जाता है तथा इसके घरेलू एवं औद्योगिक अनुप्रयोग भी हैं। रख-रखाव पर आने वाली कम लागत, अपघर्षण के विरुद्ध उच्च प्रतिरोध, आसान रंजक योग्यता, अधिक चमक तथा सूर्य की रोशनी एवं रसायनों के अच्छे प्रतिरोध इत्यादि के कारण इसे वरीयता दी जाती है। तथापि, भारत में अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं के अभाव में इसके उपभोक्ता सीमित हैं।

इस बात का खण्डन करने के लिए कोई तर्क नहीं दिया गया है कि विभिन्न डेनियरों में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर की विशेषताएं आयातित फाइबर से अत्यधिक मिलती जुलती हैं और संबद्ध देश से आयातित एक्रिलिक फाइबर द्वारा वाणिज्यिक एवं तकनीकी दोनों रूप में प्रतिस्थापनीय है।

घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर तुर्की और हंगरी से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

घरेलू उद्योग द्वारा दिया गया तर्क

10. यह दोहराया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा निर्यातित एक्रिलिक फाइबर का प्रतिस्थापनीय है और ये दोनों नियमों के तहत समान वस्तुएं हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

11. प्राधिकारी समान वस्तुओं के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

च घरेलू उद्योग

12. मैसर्स इंडियन एक्रिलिक लि०, चण्डीगढ़, पशुपति एक्रिलोन लि०, नई दिल्ली और कन्सोलिडेटेड फाइबर एण्ड कैमिकल्स लि०, कलकत्ता ने संयुक्त रूप से याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने यह कहा है कि बड़ोदरा स्थित इंडियन पेट्रोकेमिकल कारपोरेशन लि० एक्रिलिक फाइबर का उत्पादन करने वाली एक अन्य कंपनी है और पांचवी कंपनी मैसर्स जे के सिंथेटिक्स लि०, इस समय बन्द है। यह भी कहा गया है कि इन पांच इकाईयों की संयुक्त क्षमता 10,8000 मी० टन है। वर्ष 1998-99 (अप्रैल-दिसम्बर) में एक्रिलिक फाइबर का कुल उत्पादन 60328 मी० टन हुआ था। याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन 44648 मी० टन था।

एक्रिलिक फाइबर मैनुफैक्चर्स फोरम जिसमें सभी याचिकाकर्ता कंपनियां सदस्य हैं, ने याचिका का समर्थन किया है। इस प्रकार याचिकाकर्ता का घरेलू उत्पादन का 25 % से अधिक का हिस्सा बनता है और इसलिए नियमानुसार उसके पास घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का अपेक्षित आधार है।

प्राधिकारी घरेलू उद्योग के संबंध में उक्त आधार की पुष्टि करते हैं जैसा कि प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 7 में दिया गया है।

छ. पाटन

13. निर्यातक द्वारा दिए गए तर्क

मैसर्स ए के-पी ए टेकस्टिल इराकार पाजालिमा ए एस इस्तनबुल, तुर्की ने सहयोग दिया है और प्राधिकारी द्वारा मांगी गई सूचना का जबाव दिया है।

प्रारंभिक निष्कर्षों की अधिसूचना से पूर्व ए के-पी ए टेकस्टिल, तुर्की द्वारा प्रश्नावली के दिए गए उत्तर की जांच से यह प्रदर्शित हुआ है कि परिशिष्ट 3 क, ख तथा ग के समाने सूचना दर्ज नहीं की गई है जो घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों के लिए कीमत संरचना एवं बिक्री प्रबंध से संबंधित है। परिणामस्वरूप, घरेलू और निर्यात बाजारों में बेची गई समान वस्तुओं के लिए प्रभारित यूनिट कीमत के ब्यौरे जिसमें कारखाना स्तर से अधिक प्रत्येक प्रकार के स्वरूप एवं राशि का ब्यौरा दर्शाया जाता है, उपलब्ध नहीं थे। घरेलू बिक्री कीमत दर्शाने वाली कीमत सूचियां अथवा घरेलू बीजकों की प्रतियां प्रस्तुत नहीं की गई थीं। परिशिष्ट 4 क के अनुसार लाइसेंस शुदा/स्थापित क्षमता उत्पादन और बिक्री तथा परिशिष्ट 4 ख, ग, तथा घ के अनुसार उत्पादन लागत/निर्माण की इकाई लागत तथा घरेलू एवं निर्यात बाजारों में बिक्री और लाभ के बारे में सूचना प्रस्तुत नहीं की थी। उत्पादन लागत संबंधी कुछ सामान्य सूचना प्रदान नहीं की गई थी जिसकी संगत आंकड़ों से पुष्टि नहीं की गई थी। प्राधिकारियों का एक दल सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में दावों की जांच करने और उपरोक्त परिशिष्टों के बारे में अतिरिक्त सूचना प्राप्त के लिए फरवरी 2000 में उपरोक्त निर्यातक के परिसरों में गया था। दौरे के दौरान प्राधिकारी की जानकारी में यह बात भी लाई गई थी कि मैसर्स यालोवा एलेयर तुर्की में एकीलिक फाइबर का दूसरा उत्पादक है जिसका यलोवा में संयंत्र लगा हुआ है जिसकी उत्पादन क्षमता 32000 टन प्रति वर्ष की है। समझा जाता है कि कंपनी वित्तीय घाटे में चल रही है।

(क) सामान्य मूल्य:- मैसर्स ए के-पी ए टैकसिम

(i) निर्यातक द्वारा दिया गया तर्क:-

ए के-पी ए टेकस्टिल, निर्यातक/कंपनी जिसने प्राधिकारी के प्रश्नावली का उत्तर दिया है, एकोक ग्रुप ऑफ कम्पनीज से संबंधित है। ए के-पी ए एकोक ग्रुप की निर्यातक कंपनी है जिसने अपनी स्थापना से ही वस्त्र निर्यात के क्षेत्र में अपनी प्रमुख हैसियत बना ली है। ए के एस ए इनकी सहयोगी कंपनी है जो टर्की में एकीलिक फाइबर की उत्पादक/विनिर्माता है। 230,000 टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता वाला ए के एस ए एकीलिक फाइबर का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इस प्रकार ए के एस ए द्वारा विनिर्मित एकीलिक फाइबर का ए के-पी ए द्वारा भारत को निर्यात किया गया था।

ए के एस ए ने कहा है कि सभी घरेलू बिक्रियां कारखानागत कीमत पर की जा रही हैं। परिणामस्वरूप कारखानागत कीमत के अलावा कोई प्रभार नहीं लगाया जाता है। भण्डारण प्रभार या उत्पाद शुल्क के कारण कोई प्रभार नहीं लगाया जाता है। कीमतों में अंतर एक्रीलिक फाइबर की कीमतों में तेजी से घट-बढ़ के कारण होता है। रंजित एक्रीलिक टो (xxx अमरीकी डालर), स्टेपल फाइबर (xxx अमरीकी डालर) और एक्रीलिक रॉ-व्हाइट स्टेपल फाइबर (xxx अमरीकी डालर) रॉ व्हाइट टो (xxx अमरीकी डालर) के बीच कीमतों में अंतर रंजक प्रक्रिया में शामिल लागत के कारण आता है।

सभी ग्राहकों के लिए घरेलू बिक्री का भुगतान कारखानागत कीमत पर किया जाता है। तथापि, उनके घरेलू बिक्री के बीजकों में ब्याज प्रकारों (टर्की में - xxx%) के ब्यौरे प्रदर्शित नहीं होते हैं। आक्सा और घरेलू क्रेताओं के बीच हुई वार्ता के अनुसार क्रेताओं को घरेलू बिक्री की तारीख से 6 महीने की अवधि के बाद भुगतान करने की छूट प्राप्त है। तथापि, चूंकि टर्किशलीरा निरंतर अवमूल्यन होने वाली एक मुद्रा है इसलिए ग्राहक को बीजक की तारीख से - महीने की अवधि के बाद विनिमय दर के अंतर के भुगतान; अथवा बीजक की तारीख से बीजक मूल्य के अतिरिक्त--- की दर से ब्याज के भुगतान का विकल्प प्रदान किया जाता है; अथवा तत्काल भुगतान किया जाता है ताकि उपरोक्त विकल्पों से बचा जा सके।

xxx-xxx 1998 और xxx-xxx 1998 की अवधि के लिए ग्राहक को विभिन्न भुगतान की शर्तें प्रदान की गई थी। जिसका अनुपालन करने में विफल रहने पर उसे या तो विनिमय दर के अंतर अथवा उपरोक्त दर पर ब्याज के भुगतान का विकल्प लेना होगा।

(ii) घरेलू उद्योग द्वारा दिया गया तर्क

प्रकटीकरण विवरण से यह स्पष्ट होता है कि भारत को निर्यात करने के लिए बिक्री कीमत ढांचा, घरेलू बाजार में बिक्री और अन्य देशों को होने वाले निर्यात जैसी महत्वपूर्ण सूचना प्रदान नहीं की गई है। इसके अलावा, उत्पादन लागत, उत्पादन क्षमता इत्यादि के बारे में सूचना प्रदान नहीं की गई है। प्रकटीकरण विवरण से यह भी स्पष्ट होता है कि कंपनी वित्तीय घाटे में चल रही है। इसलिए प्रदत्त सूचना नियमानुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए बिल्कुल अपर्याप्त है। ऐसे मामले में निर्यातकों द्वारा दायर सूचना की अनदेखी की जा सकती है।

14. प्राधिकारी के विचार

प्रकटीकरण विवरण के अनुबंध 2, पैरा 2 में इनके तहत उल्लिखित परिशिष्टों के बारे में सूचना उपलब्ध की गई है जो निर्यातक द्वारा प्रश्नावली का उत्तर देते समय पहले दायर नहीं की गई थी। प्राधिकारी द्वारा संगत सूचना टर्की में सहयोगी निर्यातक अर्थात् मै0 ए पी-पी ए टेकस्टिल के परिसरों में मौके पर जाकर जांच के समय प्राप्त की गई थी। जिसके ब्यौरे पैरा 2.1 (सामान्य मूल्य) में स्पष्ट रूप से दर्शाए गए हैं जिन्हें इन निष्कर्षों के पैरा 13(क) (1) में पुनः दर्शाया गया है। प्रकटीकरण विवरण के पैरा 2 में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि टर्की में दूसरा उत्पादक अर्थात् मैसर्स यालोवा इलाएफ वित्तीय घाटे में चल रहा है। अतः यह विवरण मैसर्स यालोवा इलायफ से संबंधित है और मैसर्स ए के-पीए/ए के एस ए पर लागू नहीं होता है जिसने प्राधिकारी को सहयोग दिया है।

(ii) घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्क

निर्यात कीमत के संबंध में यह अनुरोध किया गया है कि मैसर्स ए के-पीए और एकेएसए संबंधित कंपनियां हैं। इसलिए, निर्यात मूल्य की गणना इस महत्वपूर्ण तथ्य को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

15. प्राधिकारी का विचार:

निर्यातक ने एक्रिलिक डाइड स्टेपल फाइबर एंड टो और रॉ वाइट स्टेपल फाइबर एंड टो के लिए निर्यात कीमतों के दायरे को दर्शाया था। बाद में उन्होंने प्राधिकारी को कमीशन, पैकिंग, स्वदेशी भाड़े, विदेशी भाड़े, नौवहन प्रभासों और ब्याज के लिए कारखाना द्वार के पश्चात् और एफओबी से पहले और उसके बाद के प्रत्येक प्रभार के स्वरूप के बारे में अवगत कराया है। मैसर्स ए के एस ए द्वारा उत्पादित और मैसर्स एके-पीए द्वारा निर्यातित एक्रिलिक फाइबर के लिए भारत औसत कारखाना निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर/प्रति कि०ग्रा० बैठती है।

सहयोगी उत्पादक/निर्यातक मैसर्स एकेएसए/एके-पीए और गैर-सहयोगी उत्पादक मैसर्स यलोवा इलेक्ट्रिक के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार है :-

उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन (%)
एकेएसए	***	***	22.34
कोई अन्य उत्पादक मैसर्स यलोवा इलेक्ट्रिक	***	***	48.7 %

ज. क्षति:-

16. घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्क:-

याचिकाकर्ताओं ने नमूनेलिखित कारणों के आधार पर पाटित आयातों से हुई क्षति का दावा किया है :-

- संबद्ध देशों से वास्तविक आयातों में वृद्धि।
- आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि।
- घरेलू उद्योग की बिक्री में कमी आ गई होती अगर घरेलू उद्योग द्वारा पाटित आयातों को रोकने के लिए बिक्री कीमतों में कमी नहीं की गई होती।
- मार्जिन पर अत्यधिक दबाव होने की वजह से याचिकाकर्ताओं को व्यवहार्य सीमा तक जनशक्ति को कम करने के लिए बाध्य किया गया है। यह बताया गया है कि 31.3.98 तक की स्थिति के अनुसार श्रमिकों की संख्या 608 थी जबकि 31.12.98 तक यह संख्या घटकर 593 हो गयी थी।

- ड़) उद्योग अत्यधिक वित्तीय अड़चनों के मद्देनजर विस्तार करने में परेशानी का सामना कर रहा है जो कि निरंतर हो रहे पाटन के कारण उत्पन्न हुई है, जिसके परिणामस्वरूप घाटा हुआ है एवं बाजार स्थितियां बिगड़ी हैं ।
- च) याचिकाकर्ता एक्रीलिक फाइबर के उपयोग के लिए नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए अनुसंधान एवं विकास संबंधी प्रयासों के लिए निधि जुटाने में असमर्थ हैं ।
- छ) घरेलू एक्रीलिक फाइबर उद्योग में निवेश 1000 करोड़ ₹0 की सीमा तक का है । संबद्ध देशों से हुए आयातों से बाजार में कीमतों में पर्याप्त कमी आई है और कीमतों में उस सीमा तक वृद्धि नहीं हुई है जिस सीमा तक किए गए निवेशों के अनुसार होना चाहिए था ।
- ज) वर्ष 1997-98 में घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित छिट-पुट लाभ चालू वर्ष में समाप्त हो गया और चालू वर्ष के पहले नौ महीनों में 19 करोड़ ₹0 तक का घाटा हुआ था ।

17. निर्यातक द्वारा दिए गए तर्क:

1. कीमतों में अंतर एक्रीलिक फाइबर की कीमतों में तेजी से होने वाली घट-बढ़ की वजह से आता है । एसीएन और एक्रीलिक फाइबर वस्तुएं हैं । इनका मूल्य विश्व के उत्पादकों और उपभोक्ताओं की मांग और आपूर्ति के अनुसार घटता-बढ़ता रहता है । याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया है कि भारतीय घरेलू बाजार में मंदी चल रही है। तथापि, समूचे विश्व में उत्पादन के आंकड़ें कम रहे हैं ।
2. सामान्य नियम के अनुसार, एक बड़ा खरीददार कम भुगतान करता है । आक्सा एसीएन का विश्व में सबसे बड़ा क्रेता है । इसलिए, आक्सा द्वारा की गई खरीद औसत मूल्य से सस्ती है ।
3. अक्सा विश्व में सबसे अधिक किरायायती फाइबर उत्पाद है जिसकी संयंत्र क्षमता 230,000 मी0 टन की है । यह वाष्प और विद्युत की खरीद अपनी सहयोगी कंपनी से करता है, जो कि एक विद्युत संयंत्र है । आक्सा के समुद्र के किनारे स्थित होने के कारण और उसकी अपनी पक्का सुविधाएं होने के कारण उसे प्रतिस्पर्धी संभारतंत्र का लाभ मिलता है ।
4. बाजार कीमत, चाहे वह घरेलू हो या विदेशी, का निर्धारण बाजार मांग के आधार पर किया जाता है । तुर्की चीन के बाद विश्व में दूसरा सबसे बड़ा एक्रीलिक बाजार है । तुर्की विश्व में सबसे कम कीमतों वाला बाजार भी है ।
5. भारत को हुए निर्यात की न्यूनतम कीमत *** अमरीकी डालर रही है जो रॉ वाइट टो की कीमत है । एके-पीए द्वारा भारत में घरेलू उद्योग के साथ रॉ वाइट टो के लिए तय की गई कीमत *** अमरीकी डालर है । एक्रीलिक फाइबर की विश्व कीमतें *** से लेकर *** अमरीकी डालर तक हैं । एके-पीए की निर्यात कीमत *** से लेकर *** / *** अमरीकी डालर के बीच हैं । इस समय सीएन की कीमत लगभग *** अमरीकी डालर/टन है । निर्यातक ने यह भी उल्लेख किया है कि भारत उनके प्रमुख बाजारों में से एक बाजार नहीं है और इस समय उन्होंने भारत को कोई निर्यात नहीं किया है ।

18. प्राधिकारी का विचार:

प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण करते समय क्षति से संबंधित सभी संकेतकों को ध्यान में रखा है। इसमें पाटनरोधी नियमों के अनुबंध- II के तहत यथा-विनिर्दिष्ट क्षति का निर्धारण करने के लिए सभी संगत सिद्धांत अर्थात् पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में कीमत पर उसका प्रभाव और घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, लाभ, बाजार हिस्सा इत्यादि पर उसका प्रभाव, शामिल होते हैं। घरेलू उद्योग के लिए समान वस्तु की क्षति रहित कीमत का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की इष्टतम लागत का निर्धारण करने के प्रयोजनात् संबद्ध वस्तु की जाँच अवधि के दौरान वास्तविक उत्पादन लागत का उपयोग किया है जिसमें सुस्थापित उत्तम खपत संबंधी मानदण्डों और ऐसी कच्ची सामग्री की वास्तविक कीमत को ध्यान में रखा जाता है, जिसकी खपत जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में की गई है। क्षति मार्जिन की गणना के लिए घरेलू उद्योग की कारखानाद्वारा पर क्षति रहित कीमत की तुलना आयातित वस्तुओं के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। आयातों की मात्रा, बिक्री और बाजार हिस्सा, अंतिम स्टॉक और मूल्य निम्नानुसार रहे थे :-

(क) आयातों की मात्रा :

जैसाकि प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 13(क) में नोट किया गया है, वर्ष 1996-97, 97-98 और 98-99 (जैसेकि अक्टूबर '98 तक के सरकारी आंकड़ों से उपलब्ध हुए हैं) के दौरान एक्रिलिक फाइबर का कुल आयात 21,114 मी० टन, 26,422 मी० टन और 45837.310 मी० टन का हुआ था। इस प्रकार, 1996-97 की तुलना में वर्ष 1997-98 में यह वृद्धि 25.13 % की थी और 1997-98 की तुलना में वर्ष 1998-99 में यह वृद्धि 73.48 % की थी। यह वृद्धि 1996-97 की तुलना में वर्ष 1998-99 में 117 % की थी। इस प्रकार, जाँच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

वर्ष 1996-97, 97-98 और 98-99 (जैसे कि अक्टूबर '98 तक के सरकारी आंकड़ों में उपलब्ध हैं) के दौरान तुर्की से हुए आयातों की मात्रा क्रमशः 199.949 मी० टन, 119.505 मी० टन और 5395.390 मी० टन रही थी। इस प्रकार, आयातों में 1996-97 की तुलना में 1997-98 में 40.23 % की कमी आई है और 1997-98 की तुलना में वर्ष 1998-99 में 4414.7 % की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि 1996-97 की तुलना में वर्ष 1998-99 में 2598.38 % की थी। इस प्रकार, जाँच अवधि के दौरान तुर्की से हुए आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

विपणन कंपनी एके-पीए द्वारा उपलब्ध किए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 1995 से लेकर 1999 तक भारत को हुए आक्सा के निर्यात 1995 में 47297 किग्रा० ; 1996 में शून्य ; 1997 में 119,505 किग्रा० ; 1998 में 2,292,864 किग्रा० और 1999 में 566,508 किग्रा० के थे। यह उल्लेख किया गया था कि भारत उनके प्रमुख बाजारों में से एक बाजार नहीं है और इस समय भारत को आक्सा से कोई निर्यात नहीं हुआ है।

जैसाकि प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा 13 (ड.) में उल्लेख किया गया है, याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा यह बताया गया है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों से घरेलू उद्योग द्वारा बेचे जा रहे फाइबर की कीमतों में कटौती की जा रही है। याचिकाकर्ताओं ने पाटित आयातों द्वारा होने वाले खतरे को ध्यान में रखते हुए छूट दिए जाने का लगातार दबाव बनाया है। संबद्ध देशों से हुए आयातों से भारतीय बाजार में फाइबर की कीमत कम हुई है जिसके कारण याचिकाकर्ताओं को हानि हुई है। एक्रिलिक फाइबर की 1996-97 में औसत प्राप्ति *** प्रति कि० ग्रा० की थी जो 1997-98 में गिरकर *** प्रति कि० ग्रा० हो गई और जांच अवधि के दौरान *** हो गई। यह भी दर्शाया गया है कि याचिकाकर्ता कंपनियों की 95-96 और 96-97 के दौरान 39.62 करोड़ ₹ और 13.33 करोड़ ₹ की हानि हुई। 97-98 में याचिकाकर्ता कंपनियों ने 4.06 करोड़ ₹ का मामूली लाभ कमाया

जबकि यह उल्लेख किया गया है कि उद्योग को 97-98 में 100 करोड़ ₹ से अधिक का न्यूनतम लाभ होना चाहिए। जांच अवधि (अप्रैल 98 दिसम्बर 98) के दौरान याचिकाकर्ता कंपनियों को 16.08 करोड़ ₹ की हानि उठानी पड़ी। तथापि, यह पाया गया है कि अलग-अलग उत्पादक अलग-अलग बिक्री कीमतों की वसूली कर रहे हैं और अलग-अलग कंपनियों का लाभ/घाटा भिन्न-भिन्न है। पशुपति एक्रिलोन कंसोलिडेटेड फाइवर्स एवं इंडियन एक्रिलिक द्वारा वसूल किए जा रहे बिक्री मूल्य क्रमशः *** ₹ प्रति किग्रा., *** ₹ प्रति किग्रा. *** ₹ प्रति किग्रा. थे। इस मूल्य स्तर पर जांच अवधि के दौरान पशुपति एक्रिलोन को 3.59 करोड़ ₹, कंसोलिडेटेड फाइवर्स को 8.68 करोड़ ₹ की और इंडिया एक्रिलिक्स को 3.61 करोड़ ₹ का घाटा हुआ।

झ. क्षति के संबंध में निष्कर्ष

19. प्राधिकारी प्रारंभिक जाँच परिणाम के पैरा एम 14 में यथाउल्लिखित क्षति संबंधी निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और यह दोहराते हैं कि:
- (क) तुर्की से आयातों की मात्रा में समग्र रूप से वृद्धि हुई है।
 - (ख) याचिकाकर्ता कंपनियों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
 - (ग) घरेलू उद्योग को उस कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य किया गया जिसके कारण उसे हानि हुई है या निवेशों पर कम आय प्राप्त हुई है।
 - (घ) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी हुई है।
 - (ड.) घरेलू उद्योग के अन्तिम स्टॉक में वृद्धि हुई है।

अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ज कारणात्मक संबंध

20. इस बात को प्रमाणित करने के लिए कि संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि तुर्की से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के कारण याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। इन आयातों से घरेलू उत्पाद की कीमतों में कटौती हुई है जिससे घरेलू उद्योग अलाभकारी कीमतों पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ है। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है। अतः घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उक्त देश से किए गए पाटित आयातों के कारण हुई है।

21. लगाया गया पाटनरोधी शुल्क

प्राधिकारी ने तुर्की द्वारा किए गए एक्रिलिक फाइबर के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया है और यह निर्णय लिया है कि पाटनरोधी शुल्क की मात्रा क्षति के मार्जिन पर आधारित होगी क्योंकि केवल इसी स्तर पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की प्रतिपूर्ति हो सकेगी।

22. पहुंच मूल्य

सभी प्रचलित सीमाशुल्क के वास्तविक स्तर और उतराई प्रभारों के लिए एक प्रतिशत तथा हैंडलिंग प्रभारों के लिए दो प्रतिशत लगाने के बाद आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण करने का प्रस्ताव है।

23. असहयोगी निर्यातकों का निर्धारण

असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पड़ुंच मूल्य का संदर्भ सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और डी जी सी आइ एंड एस के आंकड़ों के आधार पर किया गया है। असहयोगी निर्यातक अर्थात् मै. यालोवा एलायफ को सामान्य मूल्य के बारे में किसी भी समायोजन की अनुमति नहीं दी गई है। संस्तुत पाटनरोधी शुल्क ड्रॉपिंग मार्जिन के आधार पर है।

24. अन्तिम निष्कर्ष

पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- (क) तुर्की के मूल के या वहां से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर का सामान्य मूल्य से कम कीमत पर भारत को निर्यात किया गया है, जिसके कारण पाटन हुआ है।
- (ख) घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (ग) संबद्ध देश से हुए आयातों के द्वारा क्षति हुई है।

25. प्राधिकारी सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष संख्या 5501, 5503, के अंतर्गत आने वाले तुर्की के मूल के या वहां से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर के सभी आयातों पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। जैसाकि विचाराधीन उत्पाद से संबंधित पैरा के अधीन उल्लेख किया गया है। मै. ए के-पी ए टेकस्टिल इराकैट पाजारलामा कारपोरेशन, मिराले सेफिक बे सोक, ए के-इन सं० 15-17, काट: 1-2,80090-गुमुस्सुय, तकसिम, स्तानबुल, तुर्की द्वारा मै. आकसा, एक्रिलिक किमया सनाई कारपोरेशन, पी के 115 यालोवा/तुर्की द्वारा विनिर्मित एक्रिलिक फाइबर के किए गए निर्यातों पर भी निम्नानुसार पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है। पाटनरोधी शुल्क कालम तीन में दी गई है।

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	राशि
1.	2.	3. (रु०)
तुर्की	1. मै. आकसा एक्रिलिक किमया सनाई कारपो पी.के 115 यालोवा	9.6
	2. मै. यलोवा इलायफ और कोई अन्य	16.41
	उत्पादक/निर्यातक	

26. उपरोक्त के अधीन रहते हुए, प्राधिकारी दि० 9 जून 1999 के प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

27. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th March, 2000

FINAL FINDINGS

Subject: Anti-Dumping investigations concerning import of Acrylic Fibre from Turkey, Hungary and EU.

No. 34/1/98-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed subsequent to the preliminary findings:
 - (a) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide notification dated 13/10/99 with regard to anti-dumping investigations concerning imports of Acrylic Fibre from Turkey, Hungary and EU and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - (b) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the said findings within forty days from the date of the letter;
 - (c) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 22/11/99. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rejoinders, if any. The petitioners were present at the oral hearing. The exporter from Turkey filed written submissions for the purpose of the oral hearing which they could not attend;
 - (d) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted and arguments made by various interested parties;

- (e) The arguments raised by the petitioners and other interested parties have been appropriately dealt with in the preliminary findings and/or these findings;
- (f) A team of officers visited the premises of the co-operating exporter from Turkey viz., M/s AK-PA Tekstil Ithracat Pazarlama A.S., Miralay Sefik Bey Sok, AK-ilan No. 15-17, Kat 1-280090 Gumussdya, Taksim/Istanbul, to verify the information submitted by them and to obtain further information to the extent considered necessary;
- (g) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same, have been duly considered in these findings;
- (h) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. ON INITIATION

2. On the basis of sufficient evidence submitted by the Petitioner, the Authority initiated these investigations vide Public Notice dated 26th March, 1999, against dumped imports of acrylic fibre originating in or exported from Turkey, Hungary and EU.

As stated against para 1(xiv) of the preliminary findings, the EU stands excluded from the scope of these investigations for the reasons cited thereunder.

In the course of the investigations it was noted that Hungary had effected physical shipments of acrylic fibre to India at the time of finalisation of these provisional findings during April to December '98. DGCIS data has since reflected both the value and quantity of these imports which are Rs 3,29,169/ and 8990 kgs. respectively. The Authority notes that these imports constitute only 0.03% of the total quantum of imports of acrylic fibre during the period of investigation and are hence de-minimis. Imports from Hungary have therefore been excluded from the scope of these investigations.

C. ON PRICE UNDERTAKING

3. Having responded to the questionnaire, the exporter from Turkey had also indicated his willingness to execute a price undertaking under Rule 15 of the Anti-Dumping Rules under the Customs Tariff Act. Under the said rule, no undertaking as regards price increase shall be accepted from any exporter unless the Designated Authority has made a preliminary determination of dumping and injury. A provisional determination of normal value was therefore made on the basis of the information furnished by the exporter and the preliminary findings were notified by the Authority on 13/10/99.

Arguments raised by Domestic Industry:-

4. With regard to price undertaking, it is submitted that the same can be admitted only if the Designated Authority has proceeded with determination of dumping margin based on the information provided by the exporter. Since in the instant case the information filed by the exporter is grossly inadequate to determine normal value, the question of accepting price undertaking does not arise. In any event, the Designated Authority is requested to kindly provide the domestic industry with a copy of the price undertaking offered by the exporters and the prices that which the exporter has undertaken to offer in the price undertaking. It is submitted that no undertaking can be accepted unless the same is acceptable to the petitioners with regard to commercial terms and conditions.

Examination by Authority

5. It has been clearly brought out in the Disclosure Statement that the concerned exporter in this investigation has cooperated with the Authority to the extent possible. Information initially lacking in the questionnaire response was provided by them during the verification conducted by the Authority in their premises, details of which were brought out at Annexure 2 of the Disclosure Statement. To state therefore, that the information filed by the exporter is 'grossly inadequate' to determine normal value is factually incorrect.

The exporter has not provided the Authority with any copy of the price undertaking. They had only expressed their willingness to execute the same. It is generally understood and therefore needless to state that no undertaking can be accepted unless the price therein is commercially acceptable to the Domestic Industry.

The Authority has carefully considered the exporter's request for acceptance of a price undertaking. However it is felt that it would not be feasible or practicable to accept an undertaking at this stage.

D. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

6. The product under consideration in the present investigation is Acrylic Fibre in both shrinkable and non-shrinkable forms. Acrylic fibre is a synthetic polymer composed of at least 85 per cent by weight of acrylonitrile (ACN), a colourless liquid from petroleum bi-product. The balance components are comonomers, which are required to improve dyeability, moisture absorption etc. The term acrylic fibre includes Staple, Tow and Top. The range of acrylic fibre is stated to extend from 1.5 Denier to 8.0 Denier.

Acrylic fibre is classified under Chapter 55 of the Customs Tariff Act, 1975, under tariff classification H.S. Code No. 5501, 5503. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

Arguments raised by Domestic Industry

7 It is requested to include Acrylic Fibre of 1.2 Denier in the scope of duties as there is hardly any difference in the acrylic fibres of 1.2 Denier and 1.5 Denier. The two are almost identical products and can be substituted easily. Duty should be imposed on 1.2 Denier also.

Examination by Authority

8. The request of Domestic Industry to include acrylic fibre of 1.2 Denier in the scope of duty was not made by them at the time of filing the petition and therefore the Authority is unable to accommodate the said request at this penultimate stage of the investigations.

E. LIKE ARTICLES

9. As stated at para 6 of the Preliminary Findings, Acrylic Fibre is produced and sold in various specifications/grades, which depict the properties of the fibre and may result in varying end uses. There is however no significant difference in terms of process, equipment or technology for the production of different varieties of acrylic fibre. Each range of fibre (denier) caters broadly to different market segments and is substitutable with one another.

The petitioners have the capacity to produce all types of fibre in their plants and possess both the technologies that are in use worldwide. The domestic industry is producing acrylic fibre under collaboration with world leaders such as Dupont (USA), Exlan (Japan) and Snea (Italy). In order to establish that the acrylic fibre produced by the domestic industry is a like article to the fibre exported from the subject countries, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, plant and equipment, technology, functions and uses, marketing and customer perception and tariff classification have been considered.

Acrylic fibre (staple, tow and tops) is produced and sold in different deniers ranging from 1.5, 2.0, 3.0 to 8.0 and consist of both shrinkable and non-shrinkable forms. Acrylic fibre is produced either through wet spun or dry spun technology and the process of manufacture is broadly similar throughout the world. Acrylonitrile is the basic raw material that goes into the production of acrylic fibre.

Acrylic fibre is soft and fluffy, light weight and warm and is an economical substitute of wool which is more expensive. It is used in making apparel and has household and industrial applications too. It is preferred in view of its low maintenance cost, high resistance to abrasion, easy dye ability, high lustre and better resistance to sunlight and chemicals etc. In India however, the uses are limited due to lack of R&D facilities.

There is no argument disputing that acrylic fibre produced by the domestic industry in various deniers has characteristics closely resembling the imported fibre and is substitutable by the acrylic fibre imported from the subject country both commercially and technically.

Acrylic fibre produced by the domestic industry has been treated as like article to the product exported from Turkey and Hungary, within the meaning of Rule 2(d).

Argument raised by Domestic Industry

10. It is reiterated that the acrylic fibre produced by the Domestic Industry is commercially and technically substitutable to acrylic fibre exported by the exporters from the subject countries and the two are like articles under the rules.

Examination by the Authority

11. The Authority confirms the preliminary findings on Like Article.

F. DOMESTIC INDUSTRY:-

12. M/s Indian Acrylics Ltd., Chandigarh, Pasupati Acylon Ltd., New-Delhi and Consolidated Fibre and Chemicals Ltd., Calcutta have jointly filed the petition. It is stated by the petitioner that Indian Petrochemical Corporation Ltd., at Vadodara is the other company producing acrylic fibre and the fifth company M/s J.K.Synthetics Ltd., is presently closed. It is also stated that these five units have a combined capacity of 108,000 MT. The total production of acrylic fibre in 1998-1999 (April-December) was 60,328 MT. The production of the petitioner companies was 44648 MT.

The Forum of Acrylic Fibre Manufacturers wherein all the petitioner companies are members has supported the petition. Thus the petitioner accounts for more than 25% of domestic production and therefore has the required standing to file the petition on behalf of domestic industry under the rules.

The Authority confirms the stated position on domestic industry as given at para 7 of the preliminary findings.

G. DUMPING:-

13.Arguments raised by Exporter :-

M/s AK-PA Tekstil ihracar Pazarlama A.S. Istanbul, Turkey. co-operated and responded to the information sought by the Authority:

The examination of the response to the questionnaire by AK-PA Tekstil, Turkey before the notification of the preliminary findings showed that information against Appendices 3A, B and C, which concerns price structures and sales arrangements for both domestic sales and for exports had not been filed. Consequently, details on unit prices charged for like goods sold on domestic and export markets indicating the details of the nature and amount of each charge beyond ex-factory level were not available. Copies of price lists or domestic invoices showing

domestic sales prices had not been submitted. Information on licensed/installed capacity, production and sales as per Appendix 4A and cost of production/unit cost to make and sell and profit in domestic and export markets as per Appendices 4 B, C and D were not furnished. Some general information on cost of production, which was not supported by relevant data, had been provided.

A team of officers visited the premises of the above-named exporter in February 2000 to verify the claims with respect to normal value and export price and obtain further information against the appendices referred to above. In the course of the visit it was also brought to the knowledge of the Authority that M/s Yalova Elayef is the second producer of acrylic fibre in Turkey with its plant located in Yalova having a production capacity of 32,000 tpa. The company is understood to be in financial losses.

(A) Normal Value – M/s AK-PA Teksim.

(i) Argument raised by exporter:-

AK-PA Tekstil, the exporter/company which responded to the Authority's questionnaire belongs to the Akkok Group of companies. AK-PA is the Akkok groups exporting company that has established itself as a major player in the area of textiles export since its inception. AKSA is their sister company which is the producer/manufacturer of acrylic fibre in Turkey. With a production capacity of 230,000 tons per annum, AKSA is the world's second largest acrylic fibre producer. Thus acrylic fibre manufactured by AKSA was exported to India by AK-PA.

AKSA has stated that domestic sales are all at ex-factory price. Consequently there are no charges after ex-factory. Inland freight is borne by the customer. There are no storage charges or charges on account of excise. Prices vary on account of rapid changes in acrylic fibre prices. The difference in the range of unit prices between acrylic dyed tow (USD ***-***), staple fibre (USD ***) and acrylic raw white staple fibre (USD ***-****) and raw white tow (USD ***-****) is on account of the cost involved in the dyeing process.

The payment for domestic sales is at ex-factory price for all customers. However the details of interest charges (***-****% in Turkey) are not reflected in their invoices for domestic sales. As per negotiations between Aksa and domestic buyers, the latter have the flexibility to pay after a period of 6 months from the date of domestic sale. However as the TL is a continuously depreciating currency, the customer is provided with the options of payment of exchange rate difference after a period of *** months from the date of the invoice; or payment of interest rate @*** over and above the invoice value from the date of the invoice; or on the spot payment thereby avoiding the aforesaid options.

For the period *** -- *** 1998, and *** -- *** 1998, the customer was provided with different payment terms failing which he would attract the option of payment of either exchange rate difference or interest at the rate stated above.

(ii) Argument raised by Domestic Industry

The disclosure statement makes it evident that vital information such as sales price structure for exports to India, sales in the home market and exports to other countries, have not been provided. Further the cost of production information on production, capacity, etc. has not been provided. It is also evident from the disclosure statement that the company is under financial losses. The information provided is therefore grossly inadequate to determine normal value in accordance with the rules. Such being the case, the information filed by the exporters deserves to be ignored.

14. Authority's Position

Annexure 2, para 2 of the disclosure statement has brought out the information against appendices cited thereunder which had not been filed earlier by the exporter at the time of response to the questionnaire. The relevant information was obtained by the Authority at the time of spot verification in the premises of the co-operating exporter in Turkey viz., M/s AP-PA Tekstil. The details thereof are clearly stated at para 2 1(Normal Value) which have been reproduced at Para 13 (A) (I) of these findings. Para 2 of the disclosure statement has also unambiguously stated that the second producer in Turkey, namely, M/S Yalova Elayef is reported to be in financial losses. This statement is therefore specific to M/S Yalova Elayef and is not applicable to M/S AK-PA/AKSA who have cooperated with the Authority.

In the questionnaire response, the exporter had only indicated the range of prices for acrylic dyed staple fibre and tow and for raw white staple fibre and tow. Thereafter the producer of the subject goods provided the required information to the Authority at the time of verification. The Authority notes that invoices made for domestic sales in Turkey have only reflected the ex-factory price of the subject goods. There is no supporting documentation regarding the payment of exchange rate difference or interest against domestic sales. The Authority has allowed adjustment on account of interest against domestic sales but has not allowed exchange rate gains which is a non-cost adjustment and is not known at the time of sales. The weighted average ex-factory normal value of acrylic fibre exported through M/s AK-PA by the producer M/s AK-SA comes to USD ***/kg.

(B) Export Price

(i) Argument by exporter:-

Invoices are negotiated by the marketing company, AK-PA wherein the name of the producer AKSA is also reflected. A commission of ***% is paid by AKSA to AK-PA for their services in the export sector. A commission of ***% is paid by AK-PA to their Indian agent. All charges after ex-factory and after fob are borne by AKSA which is the producer of

the subject goods and not by AK-PA. All shipments are generally against *** days payment period after the B/L date; some are at sight while others are after *** days or *** days as per negotiations with customers. A single consignment was at *** days payment period. As informed by the exporter, the interest rate against payments on exports is ***% per annum. This is not supported by any documentary evidence.

The charges after ex-factory and before fob include the charges (per container) on account of packing (or container charge)-***USD and inland freight-***TL or USD***. There are no charges on account of storage or taxes. Each container can hold 19,000-20,000 kgs.

Charges after fob include overseas freight-***USD; Shipping charges (or B/L charges)-***TL or USD *** and others(Commission to local shipping agent)-***%.

(1USD=275,481.17 TL which is the average of April'98 -December'98 exchange rates according to the Turkish Central Bank).

(ii) Argument raised by Domestic Industry

With regard to export price, it is submitted that M/S AK-PA and AKSA are related companies. The export price should, therefore, be determined considering this vital fact.

15. Authority's Position:-

The exporter had indicated the range of export prices for Acrylic dyed staple fibre and tow and raw white staple fibre and tow. They have subsequently provided the Authority with the nature of each charge after ex-factory before and after fob on account of commissions, packing, inland freight, overseas freight, shipping charges and interest. The weighted average ex-factory export price for Acrylic Fibre produced by M/s AKSA and exported by M/S AK-PA comes to USD ***/ kg.

The dumping margins for the co-operating producer/exporter M/s AKSA/AK-PA and for the non-cooperating producer M/s Yalova Elayef are as under:-

Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin (%)
AKSA	***	***	22.34
M/S Yalova Elayef and any other producer	***	***	48.7

H. INJURY:-

16. Argument raised by domestic industry:-

The Petitioners have claimed injury from the dumped imports on the basis of the following factors:

- a) Increase in actual imports from the subject countries.
- b) Increase in market share of imports.
- c) Sales of the domestic industry would have declined had the domestic industry not reduced the selling price to prevent dumped imports.
- d) Due to tremendous pressure on margins, the petitioners have been forced to reduce manpower to the extent possible. It is stated that as on 31/3/98 the manpower strength was 608 while as on 31/12/98 the strength was reduced to 593 employees.
- e) The industry is finding it difficult to expand in view of severe financial constraints arising out of sustained dumping resulting in losses and poor market conditions.
- f) The Petitioners are unable to fund research and development efforts directed towards finding new areas of use of acrylic fibre
- g) Investments in the domestic acrylic fibre industry are to the extent of Rs. 1000 crores. The imports from the subject countries have caused significant price depression in the market and prices have not increased to the extent they should have considering the investments made.
- h) The marginal profit earned by the domestic industry in 1997- 98 vanished in the current year and losses were to the extent of Rs 19 crores in the first nine months of the current year

17. Arguments raised by exporter:-

1. Prices vary on account of rapid changes in acrylic fibre prices. ACN and acrylic fibre are commodities. Their prices fluctuate in accordance with supply and demand of world producers and consumers. The petitioner has stated that there is a slow down in the Indian domestic market. However, production figures all over the world has been low.
2. As a general rule, a big purchaser pays less. Aksa is the world's biggest ACN buyer. Therefore purchases by Aksa are cheaper than the average.
3. Aksa is the most economical fibre producer in the world with a plant capacity of 230,000 MT. It purchases its steam and electricity from its sister company, which is a power plant. Aksa's location by the sea and its own port facilities provide it with a competitive logistics advantage.
4. A market price, whether domestic or overseas, is determined by market demand. Turkey is the world's second biggest acrylic market next to China. Turkey is also one of the lowest priced markets in the world.
5. The minimum export price to India has been *** USD which is the price of raw white tow. The price negotiated by AK-PA with domestic industry in India is USD *** for raw white tow. World prices of acrylic fibre are in the range of USD ***,***. AK-PA's export prices are in the range of ***,***/*** USD ACN prices are currently around USD ***/ton. The exporter

has also stated that India is not one of their major markets and at present they have no exports to India

18. Authority's Position:-

The Authority has taken into account all indices regarding injury while doing the final determination. This involves all relevant principles for determination of injury as specified under Annexure II of the anti-dumping rules viz., the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market and its effect on the production, capacity utilisation, sales, profits, market share etc. of domestic industry. While determining the non-injurious price for the like article for the domestic industry, the Authority has used the actual cost of production of the subject goods during the period of investigation to determine optimum cost of production for the domestic industry which has taken into account the normated best consumption norms and the actual price of the raw materials which are consumed for the production of the subject goods during the period of investigation. For calculation of injury margin, the ex-factory non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed value of the imported goods. The quantum of imports, sales and market share, closing stocks and prices were as given below.

(a) Quantum of Imports

As noted against para 13 (a) of the preliminary findings, the total imports of acrylic fibre were 21,114 Mt, 26,422 Mt and 45837.310 Mt during 96-97, 97-98 and 98-99 (as available from official statistics upto Oct'98). Thus the increase was 25.13% in 1997-98 over 96-97 and 73.48% in 98-99 over 97-98. The increase was 117% in 98-99 over 96-97. Thus the quantum of imports have gone up significantly during the period of investigation.

The quantum of imports from Turkey were 199.949 Mt, 119.505 Mt and 5395.390 Mt during 1996-97, 97-98 and 98-99 (as available in official statistics upto Oct'98) respectively. Thus imports declined by 40.23% in 97-98 over 96-97 and increased by 4414.7% in 98-99 over 97-98. The increase was 2598.38% in 98-99 over 96-97. Thus the quantum of imports from Turkey have gone up significantly during the period of investigation.

Exports of AKSA to India since 1995 to 1999, as provided by the marketing company AK-PA were 47,297kg in 1995; nil in 1996; 119,505 kg in 1997; 2,292,864 kg in 1998 and 566,508 kg in 1999. It was stated that India is not one of their major markets and that currently there were no exports from AKSA to India.

The quantum of imports from other countries was 21114 Mt, 26422 Mt, and 45837.310 Mt in 96-97, 97-98 and 98-99 (as available in official statistics upto Oct'98) respectively. The share of Turkey in total imports was 0.9%, 0.45% and 11.77% in 96-97, 97-98 and 98-99 respectively.

(b) Sales and Market Share

As observed by the Authority at para 13 (c) of the preliminary findings, the demand of acrylic fibre was 75511, 81047 Mt and 88261 MT in 96-97, 97-98 and 98-99 respectively (import figures are available till October'98 only as per DGCIS data). The share of imports in total demand was 28%, 33% and 51.9% in 96-97, 97-98 and 98-99, respectively. The share of the petitioner companies was 72%, 70% and 48% respectively in 96-97, 97-98 and 98-99 respectively. Thus the share of imports are rising in total demand whereas the share of Indian industry has been declining. Sale of acrylic fibre has resulted in loss of profit to the petitioners. The selling prices in Rs per kg were ***, ***, and *** respectively in 96-97, 97-98 and the POI (Apr'98-Dec'98).

(c) Closing stocks

As stated at para 13 (d) of the preliminary findings, the closing stocks of the petitioner were 1785 MT, 3402 Mt and 4150 Mt in 96-97, 97-98 and 98-99 (POI) respectively. Closing stocks went up by 90% in 97-98 over that of 96-97 and by 15.8% in 98-99 (POI) over that of 97-98. It is observed that out of 4150 MT of closing stock, 995 MT was held by Pasupati Acrylon, 2820 MT by Indian Acrylic and 335 MT by Consolidated Fibres. The process of manufacturing acrylic fibre involves a short cycle time, which is typically less than a week. The average stock carried by the petitioner companies amounts to 25.92 days production.

(d) Price undercutting and price depression

As noted at para 13 (e) of the preliminary findings, the petitioner companies have stated that imports from the subject countries have been undercutting the prices of the fibre being sold by the domestic producers. The petitioners have been constantly forced to offer discounts in view of the threat posed by the dumped imports. The dumped imports from the subject countries have suppressed the prices of the fibre in the Indian market and caused losses to the petitioners. The average realisation per kg of acrylic fibre in 1996-97 was *** per kg, which dropped to Rs. *** per kg in 97-98 and to *** during the POI. It is also shown that the losses of the petitioner companies were Rs. 39.62 crores and 13.33 crores during 95-96 and 96-97. In 97-98, the petitioner companies earned a meagre profit of 4.06 crores whereas it is stated that industry should have made a minimum profit of above Rs 100 crores in 97-98. During the POI (April'98-Dec'98) the petitioner companies incurred losses of Rs 16.08 crores. However it is observed that different producers are charging different selling prices and profit/loss of the different companies vary. The selling prices charged were Rs. *** per kg, Rs. *** per kg and Rs *** per kg by Pasupati Acrylon, Consolidated Fibres and Indian Acrylics respectively. At this price level, Pasupati Acrylon incurred a loss of Rs.3.59 crores, Consolidated Fibres incurred a loss of Rs 8.68 crores and Indian Acrylics incurred a loss of Rs.3.81 crores during the period of investigation.

I. CONCLUSION ON INJURY

19. The Authority confirms conclusions on injury as indicated at para M 14 of the preliminary findings and reiterates that -

- a) the quantum of imports from Turkey has increased in absolute terms,
- b) the market share of the petitioner companies has gone down,
- c) the domestic industry has been forced to sell at prices that have resulted in losses or low returns on investments;
- d) imports are undercutting the prices of the domestic industry;
- e) closing stock of the domestic industry has gone up.

The Authority therefore concludes that the domestic industry has suffered material injury.

J. CAUSAL LINK

20. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject country, the Authority holds that the increase in market share of imports from Turkey resulted in decline in the market share of the petitioner. These imports undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell at unremunerative prices. Resultantly, the domestic industry incurred losses. The material injury to the domestic industry was, therefore, caused by the dumped imports from the said country.

21. Anti-Dumping duty imposed:-

The Authority has carefully evaluated the injury caused to the domestic industry on account of dumping of Acrylic Fibre from Turkey and has decided that the amount of anti-dumping duty would be based on the injury margin, since only at that level, the domestic industry would be compensated for the injury suffered by it.

22. Landed Value:-

Landed value of imports is proposed to be determined after charging the actual level of all custom duties prevalent and one percent towards landing charges and two percent handling charges.

23. Assessment of Non-cooperating exporters:

For the non-cooperating exporters, the normal value, the export price and the landed value have been referenced on the basis of the information furnished by the cooperating exporters and DGCI&S data. No adjustments on normal value has been allowed to the non-cooperating exporter, viz. M/S Yalova Elayef. The anti-dumping duty recommended is based on the dumping margin.

24. FINAL FINDINGS

The Authority after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Acrylic Fibre originating in or exported from Turkey has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered injury;
- (c) injury has been caused by imports from the subject country.

25. The Authority recommends imposition of definitive Anti-dumping duty on all imports of Acrylic Fibre falling under customs sub-heading nos.5501, 5503. of the Customs Tariff Act as specified under the para relating to product under consideration originating in or exported from Turkey. Exports made by M/S AK-PA Tekstil Ihracat Pazarlama Corp., Miralay Sefik Bey Sok, Ak-Han No. 15-17, Kat: 1-2, 80090 – Gumussuyu, Taksim, Istanbul, Turkey of Acrylic Fibre manufactured by M/S AKSA Akrilik Kimya Sanayi Corp., P.K. 115 Yalova/Turkey, is also subjected to the anti-dumping duty set out below. The anti-dumping duty shall be amount mentioned in Col.3.

Country	Name of the producer/exporter	Amount
1.	2.	3. (Rs.)
Turkey	1. M/S AKSA Akrilik Kimya Sanayi Corp., P.K. 115 Yalova	9.6
	2. M/S Yalova Elayef and any other producer/exporter	16.41

26. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 9th June 1999.

27. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority